त्यागपत्र खेल के प्रायोजक न्यायालय का सामना करने की स्थिति में नहीं थे : राजेन्द्र राठौड़

'इसीलिये अब इस्तीफे वापस लिये जाने की सुनियोजित योजना को अंजाम दे दिया गया है'

- **राजस्थान उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश के समक्ष 2 जनवरी को सूचीबद्ध 91 विधायकों के त्यागपत्र के संबंध में प्रतिपक्ष उपनेता ने दिया वक्तव्य**
- **'त्यागपत्र के एक लाइन के निर्धारित प्रारूप का परीक्षण करने में ही स्पीकर को 90 दिन लग गये'**
- **'मैं उच्च न्यायालय से यह मांग करूँगा कि संवैधानिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के साथ किए गए इस सुनियोजित विश्वासघात में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए और उन्हें न्यायालय की ओर से प्रताड़ित भी किया जाए।'**

जयपुर। प्रतिपक्ष के उपनेता राजेंद्र राठौड़ ने मुख्य न्यायाधीश के न्यायालय में दो जनवरी को सूचीबद्ध 91 विधायकों के त्यागपत्र के संबंध में वक्तव्य दिया कि 25 सितंबर 2022 को 91 विधायकों ने स्वयं उपस्थित होकर अपने हस्ताक्षरों से त्यागपत्र विधानसभाध्यक्ष को सौंपे थे। यदि विधायक ने अपनी सीट से इस्तीफा देने का निर्णय कर स्वयं उपस्थित होकर स्पीकर को त्यागपत्र सौंपा तो उसमें कोई जांच आवश्यक नहीं थी। ना तो ये संभव है कि 91 विधायकों से जबरन इस्तीफा लिखा लिए गए हो और ना ही यह संभव है कि 91 विधायकों के हस्ताक्षर कूटरचित कर दिए गए हों। विधानसभा प्रक्रिया नियम 173 के अनुसार उन्हें तुरंत प्रभाव से स्वीकार कर लिया जाना आवश्यक था। त्यागपत्र के एक लाइन के निर्धारित प्रारूप का परीक्षण करने में ही 90 दिन लग जाएं, यह तथ्य साबित करता है कि उच्च न्यायालय के समक्ष 2 जनवरी 2023 को सूचीबद्ध हो रहे प्रकरण में त्यागपत्र खेल के प्रायोजक इस कारगुज़ारी के लिए न्यायालय का सामना करने की स्थिति में नहीं थे और इसलिए अब इस्तीफ़े वापस ले लिए जाने की सुनियोजित योजना को अंजाम दे दिया गया है।

उन्होंने वक्तव्य में कहा कि पिछले 90 दिनों से राजस्थान में एक ऐसी सरकार अस्तित्व में रही है जिसको स्पष्ट रूप से सदन का विश्वास हासिल नहीं था, तुरंत प्रभाव से दिया गया इस्तीफा वापस लिए जाने का क़ानून में कोई प्रावधान नहीं है और ना ही कोई प्रक्रिया त्यागपत्र वापस लिए जाने बाबत दी गई है। वैसे भी जिस विधायक ने इस्तीफा दिया है उसे विधायक पद पर बने रहने के लिए स्पीकर कानूनन मजबूर नहीं कर सकते थे। यह इस्तीफा देने वाले विधायक की नैतिकता होनी चाहिए कि इस्तीफा देने के बाद वह उसकी स्वीकृति का इंतजार न करें। इस दौरान इन सभी विधायकों ने नैतिकता को ताक में रखते हुए राजकीय सुविधाओं का पूरा-पूरा लाभ लिया है, और नीतिगत निर्णय किए हैं। इन 91 विधायकों के नाम जनता के समक्ष उजागर किए जाने चाहिए ताकि जनता को भी यह पता चले कि उनके द्वारा सदन में भेजा गया सदस्य अपने स्वार्थ के लिए उनके भरोसे और जन भावना के साथ किस कदर खिलवाड़ कर सकता है ताकि अगले चुनावों में जनता उसको कठोर सबक़ सिखा सके। विधायक से अपेक्षित होता है कि वह उसे जिताकर सदन में भेजने वाले नागरिको और संविधान के प्रति पूरी ईमानदारी से प्रतिबद्ध रहे। ये सभी 91 विधायक कम से कम 90 दिवस में ली गयी सरकारी सुविधाओं और वेतन को तो वापिस राजकोष में जमा करवाएं। इन सभी विधायकों ने सुनियोजित रूप से संविधान के साथ षड्यंत्रपूर्वक एक खेल खेला और अब प्रकरण उच्च न्यायालय में सुनवाई हेतु सूचीबद्ध होने पर न्यायिक प्रक्रिया के संभाव्य गम्भीर परिणामों से डर कर त्यागपत्र वापस लिया जाना साबित करता है कि यह इस्तीफ़ा कांड ना केवल एक अनैतिक कृत्य था बल्कि संविधान, संवैधानिक प्रक्रिया और प्रजातांत्रिक व्यवस्था के साथ सामूहिक रूप से एक खुला धोखा कारित किये जाने के समकक्ष है। इस दिखावटी और बनावटी इस्तीफा कांड की मैं भर्त्सना करता हूँ। ऐसे गम्भीर संवैधनिक विषयों में प्रदर्शित किए गए असंवैधानिक आचरण से व्यथित होकर मुझे उच्च न्यायालय की शरण लेने को मजबूर होना पड़ा, लेकिन न्यायालय द्वारा नोटिस जारी किए जाने से प्रजातांत्रिक प्रक्रिया को येन केन सत्ता में बने रहने का औज़ार समझने वालों का वास्तविक चेहरा सामने आ गया। मेरी जनहित याचिका के अनुसार मैं उच्च न्यायालय से यह मांग करूँगा कि संवैधानिक संस्थाओं और प्रक्रियाओं के साथ किए गए इस सुनियोजित विश्वासघात में भूमिका निभाने वाले सभी व्यक्तियों को चिन्हित किया जाए और उन्हें न्यायालय की ओर से प्रताड़ित भी किया जाए।

जयपुर में जुटेंगे देश-विदेश के 3000 गैस्ट्रोएंटरॉलजिस्ट

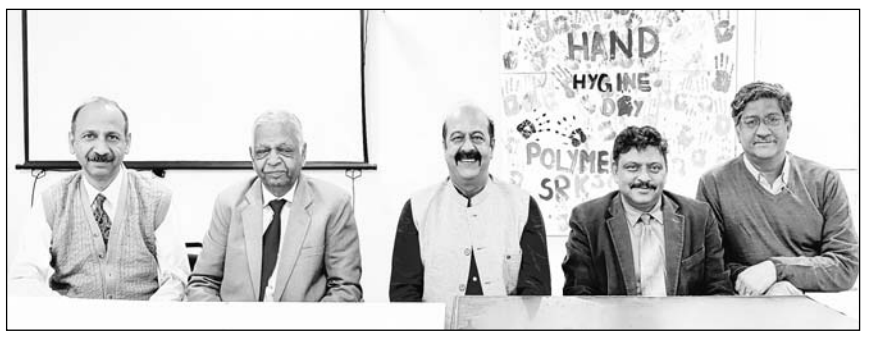

कॉन्फ्रेंस के बारे में (बायें से) डॉ. अनुराग गोविल, डॉ. रमेश रूप राय, डॉ. संदीप निझावन, डॉ.अमित माथुर और डॉ. मुकेश कल्ला ने जानकारी दी।

- **इंडियन सोसायटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से जयपुर में 5 जनवरी को चार दिवसीय इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन-2023 का आयोजन**
- **चीफ गेस्ट के रूप में अभिनेता अमिताभ बच्चन शामिल होंगे**

जयपुर,(कासं)। पेट से जुड़ी बीमारियों के इलाज में आई नई तकनीकों की जानकारी देने के लिए आगामी 5 से 8 जनवरी तक देश-विदेश के नामी गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट जयपुर में जुटेंगे। इंडियन सोसयटी ऑफ गेस्ट्रोएंट्रोलॉजी की ओर से सीतापुरा स्थित जेईसीसी में 63वीं वार्षिक कॉन्फ्रेंस आईएसजीकॉन 2023 का आयोजन होने जा रहा है। इस इंटरनेशनल कॉन्फ्रेंस में देश-विदेश से 3 हजार से अधिक विशेषज्ञ भाग लेंगे। कॉन्फ्रेंस के उद्घाटन सत्र में बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्च बतौर चीफ गेस्ट शिरकत करेंगे।

कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष और सीनियर गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट डॉ. रमेश रूप राय ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में एकेडमिक्स के साथ कई तरह की एक्टीविटीज शामिल की गई हैं। चार दिनों में कई सेशन होंगे जिसमें अलग-अलग देशों की सीनियर फैकल्टी नई रिसर्च और अन्य जानकारियां साझा करेंगे। आयोजन सचिव डॉ. संदीप निझावन ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में यूरोप के डॉ. पाओलो एंजली, यूएसए से डॉ. अनिता अफजाली और डॉ. नोरा टेरॉट, मलेशिया से डॉ. रुनसुन, जर्मनी से डॉ. हेलमट न्यूमन, डॉ. गेरॉल्ड हॉल्टमैन और जापान से यामा मोटो जैसे नामी गेस्ट्रोएंट्रोलॉजिस्ट आ रहे हैं।

कॉफ्रेंस के ट्रेजरार डॉ. मुकेश कल्ला ने बताया कि इस दौरान हैंड्स ऑन ट्रेनिंग सेशन भी होगा जिसमें नई तकनीकों को से सिम्युलेटर पर प्रयोग किया जाएगा। इसमें ईयूएस, हीमोक्लिप, सुपरफेशियल स्टमक कैंसर ट्यूमर रिमूवल जैसे प्रोसीजर्स किये जाएंगे। कॉन्फ्रेंस के जॉइंट ऑर्गनाइजिंग सेक्रेट्री डॉ. अनुराग गोविल और डॉ. अमित माथुर ने बताया कि एकेडमिक्स के अलावा गेस्ट्रो रन, गोल्फ टूर्नामेंट, सुपर सिंगर और फोटोग्राफी से जुड़ी एक्टीविटीज भी की जाएंगी।

हीराबा के निधन पर संवेदना जताई

जयपुर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष डॉ. सतीश पूनियां ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की माताजी हीरा बा के निधन पर गहरा दुख और संवेदना व्यक्त की है।

सतीश पूनियां ने कहा कि, माँ...शब्द में ही जैसे सृष्टि समायी है, वो दैविक शक्ति स्वरूपा होती हैं, आदरणीय हीरा बा ने संघर्ष, त्याग और सादगीपूर्ण जीवन से गांव, गरीब, किसान सहित सभी वर्गों के लिये आगे बढ़ने की प्रेरणा का कार्य किया है, हम सभी देशवासियों और नई पीढ़ी के लिये उनका सादगी से परिपूर्ण जीवन हमेशा संबल एवं प्रेरणा का कार्य करेगा।

भारतीय जनता पार्टी राजस्थान परिवार और राजस्थान प्रदेश की जनता की तरफ से माँ हीरा बा को भावपूर्ण विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित करता हूं और ईश्वर से प्रार्थना है कि, प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को संबल प्रदान करें।

सांसद हनुमान बेनीवाल के घर चोरी करने वाले तीन बाल अपचारी पकड़े

- **जालूपुरा थाने से महज 30 मीटर दूर स्थित सरकारी आवास में गुरूवार को दिनदहाड़े हुई थी चोरी**
- **चोर घर की आलमारी तोड़कर डेढ़ लाख रुपए, सोने के चार कंगन, 4 अंगूठियां, चांदी के सिक्के, एंटीक वस्तुएं, रसोई और बाथरूम में लगे नल और रजाई-कम्बल तक चुरा ले गए थे**

जयपुर (कासं)। लोकसभा सांसद और राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के सुप्रीमो हनुमान बेनीवाल के जालूपुरा स्थित घर में लाखों रुपये के चोरी मामले में जयपुर पुलिस ने तीन बाल अपचारियों को पकड़ा है। पुलिस ने निरूद्ध बाल अपचारियों के कब्जे से चांदी जैसी धातू के 23 सिक्के, एक मुकुट, 4 कटोरदान, एक चम्मच, पांच कम्बल, दो ट्रॉली बैग, टॉवल पैकेट, बड़ा टेडी बियर, 2 शॉल, 24 दुप्पटे, चप्पल जोड़ी, 9 नल पार्ट्स तथा टायर वाला खिलौना बरामद किया है। फिलहाल बाल अपचारियों से शेष माल के बारे में पूछताछ की जा रही है।

दरअसल जयपुर पुलिस कमिश्नरेट से महज 100 मीटर दूर स्थित सांसद हनुमान बेनीवाल के सरकारी आवास में गुरुवार दोपहर को चोरी की वारदात हुई थी। इस घर से मात्र 30 मीटर की दूरी पर जालूपुरा थाना है, लेकिन पुलिस को भनक तक नहीं लगी। बताया जा रहा है कि चोरों ने घर से लाखों रुपये की नकदी, ज्वेलरी और एंटीक सामान पार किया था। घटना की जानकारी सामने आने के बाद सांसद हनुमान बेनीवाल की तरफ से शुक्रवार सुबह रिपोर्ट दर्ज करवाई है। वारदात को लेकर नागौर सांसद ने ट्वीट कर पुलिस पर भी निशाना साधा।

बेनीवाल ने रिपोर्ट में बताया कि चोर घर की आलमारी तोड़कर डेढ़ लाख रुपए, सोने के चार कंगन, 4 अंगूठियां, चांदी के सिक्के, एंटीक वस्तुएं, रसोई और बाथरूम में लगे नल और रजाई-कम्बल तक चोरी कर ले गए। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की थी, शुक्रवार देर शाम पुलिस ने तीन बालअपचारियों को पकड़कर कुछ माल बरामद किया। उधर शुक्रवार को सांसद हनुमान बेनीवाल ने ट्वीट कर पुलिस अधिकारियों को भी घेरा। बेनीवाल ने बताया कि उनका घर थाने से 30 मीटर की दूरी पर है। जयपुर कमिश्नरेट में सांसद के घर चोरी हो रही है तो फिर आम लोगों का क्या हो रहा होगा?

प्रदेश में 3 नए करोना संक्रमित मिले शुक्रवार को

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर। प्रदेश में शुक्रवार को 3 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इस दौरान बेहतर रिकवरी होने से एक्टिव केस घटकर 73 रह गए हैं। राहत की बात यह भी है कि पिछले कई दिनों से राज्य में करोना से किसी भी मरीज की मौत नहीं हुई है। प्रदेश में पिछले चौबीस घंटों में 2 जिलों में 3 नए करोना संक्रमित मिले हैं। इससे पहले गुरूवार को 8 रोगी पाए गए थे। इधर आज राजधानी जयपुर में 2 और उदयपुर में 1 नया संक्रमित मिला है। जयपुर में कालवाड़ और पावटा में 1-1 संक्रमित पाया गया है। उधर प्रदेश में 3236 जांचे की गई है। इससे पहले गुरूवार को 9653 जांचे की गई थी। प्रदेश में पिछले कई दिनों से रिकवरी में आ रही गिरावट के बाद शुक्रवार को इसमें सुधार हुआ है। इस दौरान राज्य में 21 मरीजों के ठीक होने से एक्टिव केस घटकर 73 रह गए हैं। राजधानी जयपुर में आज 20 मरीजों के रिकवर होने से अब एक्टिव केस 58 बचे हैं। प्रदेश में शुक्रवार को भी करोना से किसी मरीज की मौत नहीं हुई है। राज्य में अब तक इस बीमारी से 9653 लोगों की मौत हो चुकी है।

फुटबॉल के बेताज बादशाह पेले का निधन

साओ पाउलो, 30 दिसंबर। ब्राजील के पूर्व फुटबाल स्टार और तीन बार के विश्व कप चैम्पियन पेले का निधन हो गया। वह 82 साल के थे। चिकित्सा रिपोर्ट के अनुसार फुटबॉल के बेताज बादशाह पेले कोलन कैंसर से पीड़ित थे और साओ पाउलो के एक अस्पताल में उनका निधन हो गया। एथलीट ऑफ द सेंचुरी श्री पेले को 29 नवंबर को साओ पाउलो में अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में भर्ती कराया गया था। कोविड-19 के पीड़ित होने के बाद उन्हें कोलन कैंसर के उपचार के लिए श्वसन संक्रमण के कारण अस्पताल में भर्ती किया गया था। फुटबॉल के इस बेताज बादशाह ने गुरुवार दोपहर को अस्पताल में अंतिम सांस ली।

अस्पताल की रिपोर्ट में कहा, अस्पताल खेद के साथ पुष्टि करता है कि एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो पेले की आज 29 दिसंबर अपराह्न तीन बजकर 27 मिनट पर शरीर के कई अंगों के काम न करने के कारण निधन हो गया। वह कोलन कैंसर से पीड़ित थे। रिपोर्ट में बताया गया कि इजरायली अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल की पेल के परिवार के प्रति सहानुभूति है और फुटबॉल के बेताज बादशाह पेल के निधन से उनके प्रशंसक बहुत निराश और दुखी हैं। पेले के रहते हुए ब्राजील ने 1958, 1962 और 1970 में विश्वकप जीता था। उन्होंने ब्राजील की तरफ से 77 गोल किए। उनके इस राष्ट्रीय रिकॉर्ड की हाल में विश्वकप के दौरान नेमार ने बराबरी की थी। पेले की रोसमेरी डोस रिस चोल्बी और असिरिया सेक्सास लेमोस से शादियों से पांच बच्चे और बिना शादी के दो बेटियां हैं। बाद में उन्होंने कारोबारी मार्शिया सिबेले ओकी से शादी कर ली थी।

शोक में डूबा फुटबॉल जगत

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। ब्राज़ील के सर्वकालिक महान फुटबॉलर और तीन विश्व कप जीतने वाले एकमात्र खिलाड़ी एडसन अरांतेस डो नैसिमेंटो उर्फ पेले के निधन पर फुटबॉल जगत शोक में डूब गया।

पेले के हमवतन नेमार ने उन्हें श्रद्धांजलि देते हुए इंस्टाग्राम पर लिखा, वह जा चुके हैं लेकिन उनका जादू जिन्दा है। पेले हमेशा रहेंगे। मैं कहूंगा कि पेले से पहले फुटबॉल सिर्फ एक खेल था। पेले ने इसे बदल दिया है। उन्होंने फुटबॉल को कला, मनोरंजन में बदल दिया।

ब्राजील के महान फुटबॉल खिलाड़ी पेले का गुरुवार को कैंसर से लड़ाई के बाद साओ पाउलो के अल्बर्ट आइंस्टीन अस्पताल में निधन हो गया। पेले और नेमार 77 गोलों के साथ ब्राजील के लिये सर्वाधिक गोल करने वाले खिलाड़ी हैं। पुर्तगाल के क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने कहा कि पेले की 'स्मृति हम सभी फुटबॉल प्रेमियों में हमेशा जीवित रहेगी।'

मैनचेस्टर यूनाइटेड और रियल मैड्रिड के पूर्व फॉरवर्ड ने इंस्टाग्राम पर लिखा, शाश्वत राजा पेले को एक मात्र अलविदा कभी भी उस दर्द को व्यक्त करने के लिये काफी नहीं होगा जिसे पूरा फुटबॉल जगत इस समय महसूस कर रहा है। इतने लाखों लोगों के लिए एक प्रेरणा, कल, आज और हमेशा। आपने हमेशा मुझे जो प्रेम दिखाया, वह हर उस पल में था जिसे हमने दूरी से भी साझा किया।

रोनाल्डो ने कहा, उन्हें कभी नहीं भुलाया जा सकेगा और उनकी यादें हम सभी फुटबॉल प्रेमियों के मन में हमेशा रहेंगी। किंग पेले को शांति मिले। फ्रांस के युवा फुटबॉलर कीलियन एमबापे ने पेले के साथ अपनी तस्वीर साझा करते हुए कहा, फुटबॉल के राजा हमें छोड़कर जा चुके हैं लेकिन उनकी विरासत कभी भूली नहीं जायेगी। श्रद्धांजलि, महाराज।

हाल ही में विश्व कप जीतने वाली अर्जेंटीना के कप्तान लियोनेल मेसी ने इंस्टाग्राम पर पेले के साथ तस्वीर साझा करते हुए उनकी आत्मा की शांति के लिये प्रार्थना की। पेले ने करीब दो हफ्ते पहले इंस्टाग्राम पर एक हार्दिक पोस्ट में अर्जेंटीना के साथ विश्व कप जीतने पर मेसी को बधाई दी थी, जबकि हैट्रिक स्कोर करने के बावजूद हारने पर फ्रांस के फारवर्ड एमबापे को सांत्वना दी थी।

ब्राजील के साथ 2002 में विश्व कप जीतने वाले रोनाल्डो नज़ारियो ने इंस्टाग्राम पर भावुक पोस्ट साझा करते हुए कहा, मेरे दोस्त, तुम्हारे बाद आना कितनी सौभाग्य की बात है। आपकी प्रतिभा एक स्कूल है जिससे हर खिलाड़ी को गुजरना चाहिये। उनकी विरासत पीढ़ियों को लांघती हुई आ रही है। आप इसी तरह जीवित रहेंगे। आज और हमेशा, हम आपको याद करेंगे। धन्यवाद, पेले। शांति से रहें।

उन्होंने कहा, पेले जहां पहुंचे, वहीं रुके रहे। शीर्ष को कभी नहीं छोड़ने के बाद वह आज हमें छोड़ गये। फुटबॉल का बादशाह एक ही है। सर्वकालिक महान। फीफा के अध्यक्ष जियानी इन्फेंटिनो ने पेले की 'चुंबकीय मौजूदगी' का वर्णन करते हुए कहा, जब आप उनके साथ होते थे तो बाकी दुनिया रुक जाती थी। उनका जीवन फुटबॉल से बहुत बड़ा है। उन्होंने ब्राजील, दक्षिण अमेरिका और दुनिया भर में बेहतर धारणाओं को बदल दिया। उनकी विरासत को शब्दों में बयान करना मुमकिन नहीं। इन्फेंटिनो ने कहा, आज हम सभी अपने प्रिय पेले की गैरमौजूदगी के नुकसान का शोक मनाते हैं लेकिन उन्होंने बहुत पहले ही अमरता प्राप्त कर ली थी और इसलिये वह अनंत काल तक हमारे साथ रहेंगे।

पेले के निधन पर पीएम मोदी ने जताया दुख

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ब्राजील के विख्यात फुटबाल खिलाड़ी पेले के निधन पर शोक व्यक्त करते हुए इसे खेल की दुनिया की अपूरणीय क्षित बताया है। मोदी ने अपने शोक संदेश में कहा, पेले का निधन से खेल जगत में एक अपूरणीय क्षित हुई है। पेले सुपरस्टार फुटबाल खिलाड़ी थे। उनकी लोकप्रियता देश की सीमाओं से ऊपर थी। उनका उत्कृष्ट खेल और सफलतायें आने वाली पीढ़ियों को प्रेरणा देती रहेंगी। उनके परिजनों और प्रशंसकों को मेरी संवेदना और उनकी शांति के लिए प्रार्थना।

भारतीय फुटबॉल ने पेले के निधन पर सात दिन के शोक की घोषणा की

नयी दिल्ली, 30 दिसंबर। अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) ने ब्राज़ील के महान फुटबॉलर और तीन बार के विश्व चैंपियन पेले के निधन पर उनके जीवन और उपलब्धियों को याद करने के लिये शुक्रवार को सात-दिवसीय शोक की घोषणा की। एआईएफएफ के महासचिव डॉ शाजी प्रभाकरन ने कहा, हम फुटबॉल के महान खिलाड़ी पेले के निधन से बेहद दुखी हैं। हम उनकी उपलब्धियों को याद करने के लिये सात दिन का शोक मनाएंगे। इस दौरान एआईएफएफ का ध्वज आधा झुका रहेगा। फुटबॉल की दुनिया के बेताज बादशाह पेले के भारत के साथ पुराने संबंध रहे हैं। वह सबसे पहली बार 1977 में भारत आये थे जब उनके क्लब कॉसमॉस ने कोलकाता में मोहन बागान एफसी के साथ 2-2 से ड्रॉ खेला था।

अपने देश के लिए कम उम्र के गोल करने वाले खिलाडी थे

देखा जाए तो पेले का पहला अंतरराष्ट्रीय मैच 7 जुलाई 1957 को माराकाना में अर्जेंटीना के खिलाफ था, जहां ब्राजील को 1-2 से हार का सामना करना पड़ा था। उस मैच में उन्होंने 16 साल और नौ महीने की उम्र में ब्राजील के लिए अपना पहला गोल किया। इसके साथ ही वह अपने देश के लिए सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी बने रहे। इसके बाद फीफा वर्ल्ड कप 1958 की बारी आई जहां पेले ने कमाल कर दिया।

17 साल की उम्र में जिता दिया था वर्ल्ड कप

1958 के उस वर्ल्ड कप के जरिए ब्राजील पहली बार चैम्पियन बना तो उसमें 17 साल के पेले की अहम भूमिका रही थी। पेले ने सेमीफाइनल में फ्रांस के खिलाफ 5-2 की शानदार जीत में हैट्रिक बनाई। फिर स्वीडन के खिलाफ फाइनल मुकाबले में भी उन्होंने दो गोल दागे। कुल मिलाकर पेले ने उस वर्ल्ड कप में छह गोल दागे थे जिसके लिए उन्हें बेस्ट यंग प्लेयर का अवॉर्ड मिला था। पेले ने इसके बाद 1962 और 1970 में भी ब्राजील के लिए विश्व कप जीता। अब तक उनसे ज्यादा बार वर्ल्ड कप किसी ने नहीं जीता है।

दागे है हजार से ज्यादा गोल

पेले ने प्रोफेशनल करियर में कुल 1363 मैच खेलकर 1279 गोल दागे। इस दौरान ब्राजील के लिए उन्होंने 92 मैचों में 77 गोल किए थे। 19 नवंबर 1969 को जब पेले ने अपना 1000वां गोल दागा था तो हजारों लोग पेले से मिलने के लिए मैदान में पहुंच गए थे। ऐसे में गेम को कफी देर तक रोकना पड़ गया था। पेले के 1000वें गोल की याद में सैंटोस शहर में 19 नवंबर को 'पेले डे' मनाया जाता है। पेले 1995 से 1998 तक ब्राजील के खेल मंत्री भी रह चुके हैं। पेले को साल 1999 में अंतरराष्ट्रीय ओलंपिक कमेटी ने सदी का बेस्ट एथलीट चुना था।

तीन शादियां की थी

पेले अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी सुर्खियों में रहे और उन्होंने 3 शादियां की थी। उनकी पहली शादी रोजमेरी डोस रईस चोल्बी के साथ सन 1966 में हुई। इससे उन्हें 2 बेटियां भी हुई, लेकिन 1982 में उनका तलाक हो गया। सन 1981 से 1986 तक वे मारिया दा ग्राका मेनेघेल के साथ रिलेशनशिप में रहे। जब पेले ने उनके साथ डेटिंग शुरू की तो मेनेघेल सिर्फ 17 वर्ष की थीं। इसके बाद पेले ने 1991 में मनोवैज्ञानिक अस्सिरिया लेमोस सेइक्सास के साथ शादी की। सेइक्सास और पेले के जुड़वां बच्चे हुए। साल 2008 में दोनों ने अलग होने का फैसला किया। इसके बाद 2016 में पेले ने मर्सिया ओकी से शादी की।

वेटर के रूप में भी किया था काम

साओ पाउलो में बड़े होने के दौरान पेले ने गरीबी के दिन भी देखे। हालांकि उनके पिता ने वह सब कुछ सिखाया जो एक फुटबॉलर को सीखना चाहिए। पेले फुटबॉल नहीं खरीद सकते थे इसलिए वे कई बार कागज से भरे मोजे से खेलते थे। यही नहीं पेले ने स्थानीय चाय की दुकानों में वेटर के रूप में भी काम कियाा था। पेले ने अपनी युवावस्था में इनडोर लीग में खेला और अंततः 15 साल की उम्र में वह सैंटोस एफसी द्वारा साइन कर लिए गए। इसके बाद पेले ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

अंतिम संस्कार उनके गृहनगर सांतोस में

पेले के क्लब सांतोस ने एक बयान में कहा कि लोग विला बेलमिरो स्टेडियम पर उनके अंतिम दर्शन कर सकेंगे। एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो यानी पेले का बृहस्पतिवार को लंबे समय तक कैंसर से जूझने के बाद निधन हो गया। वह 82 वर्ष के थे। सांतोस ने कहा कि तीन बार के विश्व कप चैम्पियन पेले की पार्थिव देह के साथ ताबूत सोमवार को सुबह अलबर्ट आइंस्टीन अस्पताल से निकलेगा और मैदान के बीचोंबीच उसे रखा जायेगा। लोगों के लिये दर्शन सुबह दस बजे से खुलेंगे और अगले दिन सुबह दस बजे तक जारी रहेंगे। सांतोस की सड़कों से पेले का जनाजा निकलेगा और उनकी सौ वर्ष की मां सेलेस्टे के घर के सामने से गुजरेगा। ब्राजीली मीडिया रपटों के अनुसार पेले की मां बिस्तर से उठ नहीं सकती हैं। उन्हें सांतोस के कब्रिस्तान मेमोरियल नेक्रोपोल एक्यूमेनिका में दफनाया जायेगा। पेले का घर सांतोस में है जहां उन्होंने जीवन का अधिकांश समय गुजारा। उम्र के आखिरी पड़ाव पर वह गुआरूजा में बस गए थे।

दुनिया को फुटबॉल से मोहब्बत करना सिखाया

फुटबॉल खेलना अगर कला है तो उनसे बड़ा कलाकार दुनिया में शायद कोई दूसरा नहीं हुआ। तीन विश्व कप खिताब, 784 मान्य गोल और दुनिया भर के फुटबॉलप्रेमियों के लिये प्रेरणा का स्त्रोत बने पेले उपलब्धियों की एक महान गाथा छोड़कर विदा हुए। यूं तो उन्होंने 1200 से अधिक गोल दागे थे लेकिन फीफा ने 784 को ही मान्यता दी है।

खेल जगत के पहले वैश्विक सुपरस्टार में से एक पेले की लोकप्रियता भौगोलिक सीमाओं में नहीं बंधी थी। एडसन अरांतेस डो नासिमेंटो यानी पेले का जन्म 1940 में हुआ। वह फुटबॉल की लोकप्रियता को चरम पर ले जाकर उसका बड़ा बाजार तैयार करने वाले पुरोधाओं में से रहे।

उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि 1977 में जब वह कोलकाता आये तो मानों पूरा शहर थम गया था। वह 2015 और 2018 में भी भारत आये थे। सत्रह बरस के पेले ने हालांकि 1958 में अपने पहले ही विश्व कप में ब्राजील की छवि बदलकर रख दी। स्वीडन में खेले गए टूर्नामेंट में उन्होंने चार मैचों में छह गोल किये जिनमें से दो फाइनल में किये थे। ब्राजील को उन्होंने मेजबान पर 5 . 2 से जीत दिलाई और कामयाबी के लंबे चलने वाले सिलसिले का सूत्रपात किया। फीफा द्वारा महानतम खिलाड़ियों में शुमार किये गए पेले राजनेताओं के भी पसंदीदा रहे।

ब्राजील ने वह विश्व कप जीता जो पेले का तीसरा विश्व कप भी था। ब्राजील की पेचीदा सियासत के सरमाये में मध्यम वर्ग से निकला एक अश्वेत खिलाड़ी विश्व फुटबॉल परिदृश्य पर छा गया। उनकी लोकप्रियता का आलम यह था कि 1960 के दशक में नाइजीरिया के गृहयुद्ध के दौरान 48 घंटे के लिये विरोधी गुटों के बीच युद्धिवराम हो गया ताकि वे लागोस में पेले का एक मैच देख सकें। वह कोस्मोस के एशिया दौरे पर 1977 में मोहन बागान के बुलावे पर कोलकाता भी आये। उन्होंने ईडन गार्डंस पर करीब आधा घंटा फुटबॉल खेला जिसे देखने के लिये 80000 दर्शक मौजूद थे। उस मैच के बाद मोहन बागान की मानो किस्मत बदल गई और टीम जीत की राह पर लौट आई। उसके बाद वह 2018 में आखिरी बार कोलकाता आये और उनके लिये दीवानगी का आलम वही था।